

न्यायालय उपखण्ड अधिकारी, निम्बाहेडा जिला चित्तौडगढ़  
पीठासीन अधिकारी:- चन्द्रशेखर भण्डारी, RAS

प्रकरण सं० 94/2017 प्रार्थना पत्र

रतनलाल पिता बंशीदास जी जाति बैरागी आयु व्यस्क निवासी फाचर  
सोलंकी त० निम्बाहेडा जिला चित्तौडगढ़ राज०

—प्रार्थी

बनाम

1. देवकन्या पिता बंशीदास जी जाति बैरागी आयु व्यस्क, निवासी  
फाचर सोलंकी त० निम्बाहेडा ।
2. कृष्णा कुमारी पिता बंशीदास जी जाति बैरागी आयु व्यस्क, निवासी  
फाचर सोलंकी त० निम्बाहेडा ।
3. भगवतीबाई वेबा बंशीदास जी जाति बैरागी आयु व्यस्क निवासी  
फाचर सोलंकी, त० निम्बाहेडा ।
4. राजस्थान सरकार जरिये तहसीलदार निम्बाहेडा जिला चित्तौडगढ़  
राज०

—विपक्षीगण

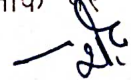
प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा 136 रा०ले०रे० एक्ट

प्रार्थीगण की और से:- अधिवक्ता जगदीश मेनारिया उपस्थित

आदेश

दिनांक:-

प्रकरण के संक्षेप में तथ्य इस प्रकार हैं कि प्रार्थीगण ने एक प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा 136 रा० ले०रे०एक्ट का प्रस्तुत कर निवेदन किया है कि प्रार्थी की स्वामित्व आराजीयात मौजा उंखलिया प०ह० उंखलिया तह० निम्बाहेडा की आराजी जिसके नये खाता संख्या 105 के आराजी नं० 435 रकबा 1.2700 हैक्टियर आराजी न० 436 रकबा 0.2700 हे० कुल किता 2 कुल रकबा 1.5400 हे० हैं जिसके पुराने आराजी न० 428/330 रकबा 5 बीघा आराजी न० 337 रकबा 19 बिस्वा भूमि प्रार्थी के खातेदारी कब्जे की हैं । साक्ष्य में नकल जमाबंदी पेश हैं । प्रार्थी के आराजीयात प्रार्थी व विपक्षीगण न० 1 ता 3 की संयुक्त खातेदारी व कब्जे काश्त की आराजीयात हैं । उक्त आराजीयात का सेटलमेंट अधिकारियों द्वारा अपने मन मर्जी से व अपने अधिकारों का दुरुपयोग करते हुए बिना किसी हक अधिकार के नवीन नक्शा ट्रेस में गलत तरीके से राजस्व नक्शे में गलत तरमीम कर दी गई । वर्तमान में नये सेटलमेंट होने के बाद प्रार्थी की खातेदारी एवं कब्जे काश्त की आराजीयात जो पुरान नक्शा ट्रेस में सही रूप से तरमीत थी परन्तु वर्तमान नक्शा ट्रेस में राजस्व रिकार्ड में दर्ज रकबे अनुसार तरमीम नहीं करके नवीन नक्शा ट्रेस आराजी के रकबे को कम करते हुए राजस्व नक्शा छोटा गलत रूप से तरमीम कर दिया है जो रकबे अनुसार व पूर्व साबिक नक्शे अनुसार नहीं कर नवीननक्शा ट्रेस में अकन सही रूप से नहीं किया गया है । जबकि प्रार्थी व विपक्षी न० 1 ता 3 का मौके पर

—

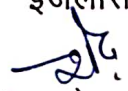
अपने राजस्व रेकार्ड में दर्ज हक हिस्से व रकबे अनुसार मौके पर शान्तिपूर्ण रूप से कब्जा चला रहा है। उक्त नवीन नक्शा ट्रेस में राजस्व कर्मचारियों की गलती से सेटलमेंट में नक्शा ट्रेस में गलत अंकन कर तरमीम कर दिया है तथा उक्त नक्शा ट्रेस में अंकन पूर्व साबिक आराजी के राजस्व नक्शे एवं राजस्व रेकार्ड में दर्ज रकबे अनुसार नहीं किया है। इसलिए उक्त नवीन नक्शा ट्रेस में तरमीम प्रार्थी के मौके पर काबिज अनुसार एवं पूर्व साबिक आराजी के राजस्व नक्शे एवं राजस्व रेकार्ड में दर्ज रकबे अनुसार अंकन कर नवीन नक्शा ट्रेस में इन्द्राज दुरस्ती किया जाना न्यायहित में आवश्यक है।

प्रकरण दर्ज रजिस्टर किया जाकर विपक्षी को जरिये नोटिस तलब किया गया। विपक्षी तहसीलदार निम्बाहेड़ा ने मौका रिपोर्ट प्रस्तुत की है जिसमें आराजी न0 435 व 436 वाके मौजा फाचर सौलंकी वादी खातेदार का मौका रिकार्ड निरीक्षण किया और पर आ0न0 435 हाल गत आराजी न0 428/330 रकबा 5 बीघा पर वादी मौका पर कब्जा काश्त करता है। गत सेटलमेंट के अनुसार तरमीम है वादी द्वारा पेश नक्शा में आ0न0 428/330 के बजाय 428/230 ही अंकन है जो गलत है। मगरी वादी मौका पर हाल आ0न0 435 के तरमीम नक्शानुसार की कब्जा काश्त है। वादी के दूसरी आ0न0 हाल 436 रकबा 0.27 के गत भू प्रबंध आ0न0 337 रकबा 15/4 विस्वा होना बाद में अंकन किया है जो गलत होकर गत आ0न0 230/547 रकबा 1/1 है। 230/547 रकबा 1/1 के नये आराजी नम्बर 436 रकबा 0.27 हे0 होकर इस पर भी वादी कब्जा काश्त है। अतः वाद निराधार व अस्पष्ट होकर रेकार्ड व मौका से प्रमाणित नहीं होता है। वादी की खातेदारी भूमि हाल आ0न0 435 व 436 रकबा 1.54 हे0 पर वादी कब्जा काश्त होकर वाद निरर्थक व खारीज योग्य है। मौका रिकार्ड की रिपोर्ट सेवा में पेश है।

हमने बहस पर मनन किया। पत्रावली पर उपलब्ध दस्तावेजात का गहनता से अध्ययन किया। प्रार्थी ने प्रार्थना पत्र में दस्तावेजी साक्ष्य से साबित नहीं किया है। तहसीलदार निम्बाहेड़ा की रिपोर्ट अनुसार वाद निराधार व अस्पष्ट होकर रेकार्ड व मौका से प्रमाणित नहीं होता है। गत रेकार्ड व हाल रेकार्ड में कोई अन्तर नहीं होने से प्रकरण संशोधन का नहीं बनता है। वादी की खातेदारी भूमि हाल आ0न0 435 व 436 रकबा 1.54 हे0 पर वादी कब्जा काश्त होकर वाद निरर्थक व खारीज योग्य होने से प्रार्थी को प्रार्थना पत्र स्वीकार नहीं किया जा सकता है।

अतः प्रार्थीगण का प्रार्थना पत्र साबित नहीं होने से खारीज किया जाता है। प्रकरण फैसल शुमार होकर नम्बर से कम हो।

आज दिनांक 31.05.2022 को सरे इजलास सुनाया जाकर कम्प्युटराईज कराया गया।

  
(चन्द्रशेखर भण्डारी)  
उपखण्ड अधिकारी  
निम्बाहेड़ा